रात्रि क्लास 30-4-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

बच्चे अनुभव सुनाते हैं ना। यह भी बच्चा अनुभव सुनाते हैं। क्यों कि बाप भी दादा भी है। कहते हैं स्वपन्न में भी ऐसे ख्याल न था अ बाप आकर कर के हमको विश्व का मालिक बनावेंगे। कबभी किसको ख्याल नहीं आ सकता। इस जन्म की बात है ना। भले पूजा भी करते हैं थे परन्तु वह आकर हमको पढ़ाते हैं हम विश्व के मालिक यह बनते हैं यहख्याल में न था। ओ हो बेहद का बाप2 भल हम सत्य ना0 की कथा सुनते थे परन्तु जैसे कामन। यहां तो बच्चों को निश्चय है हम बेहद के बाप से सारे विश्व का राज्य भाग लेते हैं। सब से प्यारा ते प्यारा है। वह कथाएं मनुष्यों से सुनो। यहतो स्वंय बाप है। उनके सिवाय कब भी मनुष्य नर से नारायण बन नहीं सकता। जब तक वह आये सच्ची2युक्ति बतावे। मीठे2 रूहानी बच्चों को डायरेक्शन मिलती है मुझे निरन्तर याद करने का पुरुषार्थ करो। तो योग अग्नि से पाप भस्म हो जावेंगे। फिर तुम मनुष्य से नर, नर से नारायण बन जावेंगे। कितना अच्छी तरह से तुम बच्चों को समझाता हूं। तुम अमरलोक के मालिक बन रहे हो। निर्वाणधाम कोअमर लोक नहीं कहा जा सकता। वहतो है घर। अमरलोक भी है मृत्यु लोक भी है। बच्चों को यह मालूम है। तुम ड्रामा के सभी एक्टर्स के पार्ट को जान गये हो। बाप से पूछ भी नहीं सकते। बाप आपे ही अपना परिचय देते हैं। सारी रचना का राज़ समझाते हैं। भक्ति एकदम दुर्गति में ले जाती है। बाप आकर सदगति में ले जाते हैं। फर्क का तुमको मालूम पड़ा है। सो भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। तुम बच्चे सुमिरण करते हो तब ही अथाह सुख की फीलिंग आती है। यह है सारी बुधि की बात। स्वदर्शनचक्रधारी कहने से ही बुधि में सारा आ जाता है सेकण्ड में। हम स्वदर्शनचक्रधारी हैं। औरों को भी समझाते रहते हैं। तुम बच्चे हाइएस्ट नालेज प्राप्त कर रहे हो। आगे नालेज नहीं थी। अभी बाप कहते हैं बच्चे धीर्य धरो। बाकी थोड़ा समय है। माया के तूफान है। छोटी दीवे हैं उनको बुझाने की कोशिश करती है। तुम बाप को याद करो तो पौ बारह है। हम पास हो जावेंगे। परन्तु माया फिर पड़ी2भूला देती है। बाप को भूले और लगी माया की चाट। मांया है इस हण खण। सेकण्ड में जीवन मुक्ति। फिर एक सेकण्ड में दुर्गति हो जाती। ऐसी माया चमाट मारती है जो बिलकुल ही दुर्गति में ले जाती है। की कमाई चट हो जावेगी। परम पिता परमात्मा से प्रतिज्ञा भी करते हैं कोर्ट में झूठा कसम उठाते हैं ना। ईश्वर को जानते ही नहीं फिर कसम उठाने से क्या हुआ। यहां तो बाप का परिचय मिलता है कसम उठाने की बात ही नहीं। बाप टीचर है पढ़ा रहे हैं। टीचर का कसम उठाया जाता है क्या। भगवान का कसम कहते हैं। तो तुम मीठे2 बच्चे आपा कल्प भक्ति करते हो। भक्ति करते2 जेसेहिर जाते हो। भक्ति से ही दुर्गति। कहते हैं भगवान कोई न कोई वेष में आकर वर्सा देंगे। अभी तुमको यह पता पड़ता है। लाखों वर्ष की बात नहीं। लाखों वर्ष समझ मनुष्य घोर अंधियारे में पड़ गये हैं। गाया हुआ है अति इन्द्रिय सुख गोप गोपियों से पूछो। परन्तु वह है पिछाड़ी की फाईनल स्टेज। अभी मुसाफिरी कर रहे हो। आफ्रिकासे जैसे अमेरिका जाते हो। काली दुनिया से गोरी दुनिया में जाते हो। अमेरिकन काले होते हैं ना। तुम समझते हो हम लोट रहे हैं। बाप को याद कर हम पवित्र बन जावेंगे। नहीं तो डोरापा पावेंगे हमको पता नहीं मिला। इसलिए कहा जाता है स्टेप स्टेप लेने से फर्क पर्चा गिराओ। तुम बच्चों को बहुत भारी जिम्मेवारी है। बाबा बैठ थोड़े ही सभी को इतलाव करेंगे। प्रेरणा आद की बात नहीं। कैसे भी कर सभी को पैगाम पहूंचाना है। तुम बच्चों के आगे वह महाऋषि हो, बड़े ते बड़ा धनवान हो, पढ़ा हुआहो तुम्हारे कुछ भी नहीं। तुम से ऊंच कोई हो न सके। सभी गरीब है मरे पड़े हैं। बाबा जन्म जन्मान्तर के लिए जीवदान दे रहे हैं। बाप यहां समझाते हैं तो प्रेशानेस रहती है। अपने गांव में जाते हो फिर ठंढे हो जाते हो। भल यहां एलीभी बनते हो परन्तु संग कहां। यहां तो संग में हो ना। हां अलबत कोई कम पढ़ते हैं यहां फालतू संसारी आद की बातें न सुनना चाहिए। जो बहुत अच्छीसर्विस करते हैं उनका संग करनाचाहिए।

जो बैठ कर रिफ्रेश करे। अच्छे2 बच्चों को बाबा कहते हैं जाकर क्लास कराओ। महारथी, घोड़ेसवार, प्यादे तो है ना। महारथियों का काम है रिफ्रेश करना। न करते हैं तो गोया आज्ञा का उलंघन करते हैं। नाफरमानबरदार हो जाते हैं। तो कितना डन्ड पड़ता होगा। क्योंकि राईट हैंड मैं धर्मराज भी है ना। आत्मा भी और काया भी कनचन बने इसीलिए सबेरे ड्रील होती है। स्टुडन्ट लाईफ है सोर्स ऑफ इनकम। इन में भी तुम्हारी स्टुडन्ट लाईफ है। दी वेस्ट लाईफ। यह है दी वेस्ट पढ़ाई जो तुम पढ़ते हो। बोलो हम राजयोग पढ़ते हैं। यह है दी वेस्ट। भगवान आकर राजयोग सीखाते हैं। इस कुल के जो होंगे वह समझेंगे। बाकी तो समझ न सके। तुम दी वेस्ट टीचर हो। जिनको दी वेस्ट पढ़ाई पढ़ा कर दी वेस्ट बनाते हो। तुम स्थापना कर रहे हो बिगर कोई हथियार पकड़ के। सिर्फ याद की यात्रा से। पढ़ाई तो कामन हो जाती है। बाप टीचर सदगुरु को याद करना होता है। एवर हेल्दी बनना है ना। जैसे कन्या को दहेज दिया जाता है। पेटी में सभी दिया जाता है। तुम बच्चों को तो बाप 2। जन्मों के लिए दहेज देते हैं। विश्व का मालिक बनने का। तो कितनी खुशी होनी चाहिए। किसको देते हैं। बच्चों को। आत्माओं को। इन्हें दुनिया की रसम रिवाज और है। तुम संगम युगी ब्राहमणों की रसम और। सभी को खुशी है दहेज ले सकते हैं। सारा पढ़ाई पर मदार है जितना पुरुषार्थ करेंगे उतना मिलेगा। पुरुषार्थ तुमको करना है। आशीर्वाद तो नहीं करूंगा। सभी ऐसे बन जावेंगे। पुरुषार्थ अपना करना है। अच्छा।

तुम अनगिनत बार बाप से मिले हो बादशाही ली है और गवांई है। अनगिनत बार गंवाते और लेते रहेंगे। यह भी अभी तुम समझते हो। बाप कहते हैं मीठे- रूहानी सिकीलधे बच्चों पुरुषार्थ करो। गफलत मत करो। माया बहुत गफलत में डालती है। अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। ज्ञान युक्त याद चाहिए। अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यारगुडनाईट और नमस्ते।

रात्रिक्लास 1-5-68 :- दुनिया तो दुनियावी बातों से बहलाते हैं। यह है ईश्वरीय बातों से बहलाना। यह है रूह-रूहान। रूह-रूहान सिर्फ इस समय होती है। पुरुषोत्तम संगम युग पर ही बाप आकर रूहों से बात करते हैं। समझाते भी हैं बच्चों को कि अपने को आत्मा समझो। शिव को स्प्रीचुअल फादर कहा जाता है। लौकिक बाप को कब ऐसे नहीं कहेंगे। रूहानी बाप है। तो जरूर रूहानी बाप आकर रूहानी बच्चों को बहलावेंगे। समझाते रहेंगे हे रूहानी बच्चों। रूहानी बाप और क्या कहेंगे। घड़ी2 कहेंगे रूहानी बच्चे। प्रेक्टीस हो जाती है। कल्प2 की ड्रामाअनुसार प्रेक्टीस करते है। समझाते हैं मैं तुम्हारा बाप हूं। तुम मेरे बच्चे हो। यहां आत्मा पवित्र नहीं हैं हमारी तो पवित्र है। तो अपने को आत्मा समझ मुझे याद करते रहो। आत्मा और परमात्मा का मेला भी एक ही बार होता है। हर एक बात बेहद की है। तुम तो प्रधान थे बेहद में थे अभी तभी प्रधान बन गये हो। बेहद में थे तो बेहद का राज-भाग था। भक्ति मार्ग में बेहद के बाप को ही याद करते हैं। भक्तों पर भीड़ तब पड़ती है जब विनाश का समय होता है। भक्त बहुत दुःखी होते हैं। अभी दुःखी होने का है। बच्चे जानते हैं न अन्न मिलेगा न जल मिलेगा। गैस के पाईप फटने से पानी में भी जहर हो जाता। दुःखों का पहाड़ गिरना है। यह तो बच्चों को मालुम है पुरानी दुनिया खत्म होनी है। क्या2 बनता रहता है। कहते हैं हम ऐसा बनाते हैं जो दस बीस दुनिया भी खलास हो जावेंगी। यह तो खाने लिए नहीं है। बड़ा खर्चा होता है। तुम जानते हो पुरानी दुनिया का विनाश होना है नई दुनिया की स्थापना लिए हम पढ़ते हैं। तुम बच्चे जानते हो हम नई दुनिया के लिए पढ़ते हैं। उनको अमरलोक भी कह सकते हैं। मृत्युलोक में पढ़ते हो अमरलोक के लिए। तुम यहां नई बातें सुनते हो। बाप आकर नई दुनिया स्थापन करते हैं। यह तो बाप जाने और बच्चे जिनके साथ रूह- रूहान करते हैं। वह जाने। और कोई नहीं जानते। भूल कहते भी हैं नई बात है। फिर भी कहेंगे। वेदों में यह है इन में यह है। वह सभी है जिसमानी बातें। यहतो बाप